RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 11 अंक : 1 जनवरी – मार्च 2025

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

सम्पादकीय

वर्ष 2025 का नेत्र ज्योति का प्रथम अंक आपके हाथ में सौंपते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से हमारा उद्देश्य समाज को नेत्रदान के लिए जागरूक करना, प्रेरित और सक्रिय करना है। इसमें प्रकाशित प्रत्येक लेख, समस्त जानकारियां, हर एक आयोजन का विवरण एवं समाचार भविष्य की ओर बढ़ते हुए कदम है जिनके द्वारा कोई भी व्यक्ति कॉर्निया प्रत्यारोपण के अभाव में दृष्टिहीन ना रहे।

जनवरी माह के प्रारंभ में ही एसबीआई द्वारा प्रदान किए गए 33 लाख के सी एस आर अनुदान के माध्यम से खरीदे गए स्लिट लैंप एवं माइक्रोस्कोप द्वारा कॉर्निया की गुणवत्ता की सटीक जांच एवं प्रभावी मूल्यांकन किया जा सकेगा जिससे अधिक से अधिक लोगों को उनकी दृष्टि वापस लाने में मदद मिलेगी । एस बीआई बैंक के इस सहयोग के लिए हम आभारी है।

30 जनवरी 2025 को चूरू में नया नेत्र संग्रहण केंद्र प्रारंभ किया गया। हमें खुशी है कि प्रारंभ में ही इस केंद्र ने नेत्रदान की मुहिम सुचारू रूप से शुरूकर कॉर्निया एकत्रित करना शुरू कर दिया है। अन्य जिलों के नेत्र संग्रहण केंद्रों द्वारा भी नेत्रदान के लिए जागरूकता एवं संकल्प पत्र भरने के लिए निरन्तर कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 9 मार्च 2025 को जयपुर में नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह प्रतिवर्ष की भांति आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 70 नेत्रदानी परिवारजनों को राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। नेत्रदान करने वालों के द्वारा दृष्टिहीन लोगों के जीवन में उजाला भरने के इस प्रेरणादाई एवं साहसिक निर्णय समाज के अन्य लोगों के लिए उदाहरण बन सके, यही इस आयोजन का उद्देश्य रहता है।

आपकी जानकारी में होगा कि राजस्थान सरकार ने देश में पहली बार अंधत्व नियंत्रण के लिए एक नीति लागू की है इस नीति के तहत सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज में केरेटोप्लास्टी केंद्र और नेत्रदान बैंक स्थापित किए जाएंगे साथ ही निजी संस्थाओं के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर नेत्रदान अभियान चलाए जाएंगे। राजस्थान आई बैंक सोसाइटी को राज्य सरकार की ओर से महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है एवं इसके द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों को भी महत्वपूर्ण माना है। सामाजिक सहभागिता के इन प्रयासों से कॉर्निया संग्रहण की संख्या निरंतर बढ़ रही है, किंतु खेद है कि राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेजों में केरेटोप्लास्टी सर्जन की कमी के कारण कॉर्निया राज्य से बाहर भेजने पर मजबूर होना पड़ता है। हमारा प्रयास हमेशा से यही रहा है कि अधिक से अधिक कॉर्निया हम राज्य में ही नेत्रहीन लोगों के जीवन में उजाला देने के उपयोग में ले। इसके लिए राज्य सरकार का ध्यान समय–समय पर आकर्षित करते रहे हैं ।

हाल के वर्षों में नेत्र प्रत्यारोपण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धियां हुई है। जैविक इंजीनियरिंग, कृत्रिम कॉर्निया (बायोसिंथेटिक कॉर्निया) और स्टेम सेल थेरेपी जैसे अनुसंधान दृष्टिहीनता को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। भारत में भी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, नई दिल्ली, एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, हैदराबाद, शंकर नेत्रालय, चेन्नई जैसे संस्थान इस क्षेत्र में शोध कर रहे हैं। रोबोटिक सर्जरी और 3D प्रिंटेड कॉर्नियल इंप्लांट्स के प्रयोग से नेत्र प्रत्यारोपण को और अधिक प्रभावी और किफायती बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

आंखें केवल देखने का माध्यम नहीं है वह आत्मा का दर्पण, भावनाओं की अभिव्यक्ति और दुनिया से जुड़ने का जरिया है, फिर भी लाखों लोगों के लिए अंधकार ही जीवन की सच्चाई बनी हुई है। नेत्र ज्योति केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि आशा की किरण, एक प्रेरक संदेश और अंधत्व को समाप्त करने के संकल्प की दिशा में एक आंदोलन है। आप सभी सुधि पाठक इस मुहिम में सहयोगी बने इसी विश्वास के साथ यह अंक आपको प्रस्तुत है।

नेत्रदान अंधेरे से उजाले की ओर एक छोटा सा कदम है।

उषा बापना
संपादक

President Message

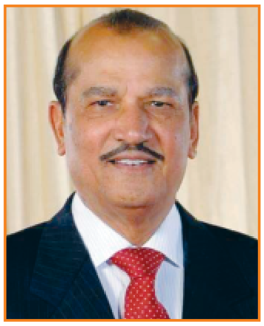

Dear Members, Colleagues, and Stakeholder's,

As we come together to celebrate another successful year of service and compassion, I am filled with pride and gratitude for all the remarkable work we have achieved at the Eye Bank Society of Rajasthan. It is with great pleasure that I share some of the highlights of our work and reflect on the tremendous impact we are making in the lives of countless individuals across the state.

Over the past year, we have collected **2,548 corneas,** with **1,666 corneas** successfully transplanted, giving new sight and hope to those who had been living in darkness. Each of these corneas represents not just a physical transplant, but a life changed, a future brightened, and a person empowered to live a fuller life. This success is only possible because of the collective efforts of our dedicated team, our tireless volunteers, and, most importantly, the noble families of the eye donors who have chosen to gift the precious gift of sight to those in need.

Eye donation is an act of kindness that transcends the individual and creates a ripple of change throughout society. In India, there are millions of people suffering from preventable blindness, many of whom could have their sight restored through a simple corneal transplant. Sadly, the demand for corneal tissue far exceeds the supply, which is why we must all come together to raise awareness and make eye donation a part of our collective consciousness.

Each year, countless individuals lose their vision due to corneal blindness, but with just one selfless act—donating their eyes after death—we can restore sight to those in need. **One eye donor can give sight to two people.** This is why we must spread the message of eye donation far and wide, and encourage everyone to consider becoming a donor, as well as to speak to their loved ones about their wishes.

I am also delighted to share that this year, we were honoured by the gracious presence of **Hon'ble Governor of Rajasthan, Shri Haribhau Bagde,** who personally felicitated the families of eye donors. This event highlighted the immense gratitude we owe to those who make this life-changing gift possible and underscored the importance of creating greater awareness around eye donation. The Governor's participation is a vital step in propagating the message of eye donation, and I hope it inspires more families to come forward and make this generous contribution to society.

There are people who keep wondering as to how can they help in our mission to eliminate blindness? I would have following suggestions for their consideration:-

1. **Become an Eye Donor:** One of the most powerful ways to contribute to the cause of eliminating blindness is by pledging to donate your eyes after death. Signing up for eye donation is simple and ensures that your eyes will go to someone in need. **Pledge your eyes on Mob no-7375855855**
2. **Spread Awareness:** Talk to your family, friends, and colleagues about the importance of eye donation. Educating others about the simple process and life-changing impact can save thousands of lives.
3. **Support Eye Banks and Awareness Programs:** Volunteer your time or donate resources to EBSR . The more support we have, the more lives we can impact.
4. **Register as a Joyti Mitra:** By registering as a Volunteer or donor, you help build a network of people who have already made the commitment to donate, making it easier for eye banks to fulfill the need for corneal transplants. **For eye Donation call on Toll free no -18002020388**

I also extend my sense of gratitude to large number of donors who have helped us to achieve financial stability over the years .

As we look forward to the coming year, let us remain steadfast in our commitment to the cause of eye donation. With each cornea we collect and each transplant we enable to perform, we are not just restoring sight, but also giving individuals the chance to lead a life of dignity, independence, and fulfillment. Let's continue to work together to eradicate preventable blindness and provide the gift of sight to all who need it.

On behalf of the Eye Bank Society of Rajasthan, I extend my heartfelt thanks to everyone who has supported us on this journey. Together, we can make a lasting difference and give the most beautiful gift—**the gift of vision.**

Thank you for your continued support and dedication.

B. L. Sharma
President

नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा एसएस जैन सुबोध पीजी कन्या महाविद्यालय के सभागार में रविवार, 9 मार्च, 2025 को नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपने प्रियजन के नेत्रदान के निःस्वार्थ एवं अमूल्य योगदान के लिए 68 नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित किया गया। इस समारोह के माध्यम से हमने नेत्रदानी परिवारों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपने प्रियजन का नेत्रदान कर अपना सामाजिक सरोकार वहन किया और अपने प्रियजन की आंखों को हमेशा के लिए अमर कर, साहस एवं धैर्य का परिचय दिया। समय-समय पर इसी प्रकार के कार्यक्रम ईबीएसआर के विभिन्न चैप्टर भी आयोजित करते रहते हैं।

समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल (राजस्थान) माननीय हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि नेत्रदान महादान है, अतः नेत्रदान के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 1.25 करोड़ व्यक्ति दृष्टिबाधित है, इसलिए अंधता निवारण में नेत्रदान की जागरूकता बढ़ाने में सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने नेत्रदान करने वाले परिवारों का अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि मृत्यु से पूर्व नेत्रदान का संकल्प लेकर यदि व्यक्ति अपनी आँखें दान कर दे, तो देश के सभी दृष्टिबाधित व्यक्तियों को एक ही वर्ष में नई रोशनी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नेत्रदान करता है, वह साधु समान है। माननीय राज्यपाल जी ने इससे पहले आई बैंक सोसायटी के वार्षिक प्रतिवेदन का लोकार्पण भी किया।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा ने नेत्रदान करने के लिए समाज में जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों और सोसायटी की पहल से नेत्रदान क्षेत्र में की गई विशिष्ट उपलब्धियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने सरकार का ध्यान राज्य में किरेटोप्लास्टी सर्जन की कमी की ओर आकर्षित किया, एवं अपील की, कि अधिक से अधिक नेत्र चिकित्सकों को किरेटोप्लास्टी के लिए प्रशिक्षित किया जाए व राज्य सरकार की राइट टू साइट पॉलिसी को ज़मीनी स्तर पर लागू करने की अपील की। श्री बी.एल शर्मा जी ने स्वैच्छिक नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के अभियान का नेतृत्व करने के लिए महिलाओं को आगे आने के लिए अनुरोध किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ दीपक माहेश्वरी एवं सिविल लाइंस क्षेत्र के विधायक श्री गोपाल शर्मा ने भाग लिया। एसएमएस अस्पताल के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉक्टर दीपक माहेश्वरी ने नेत्रदान से जुड़ी चिकित्सकीय भ्रांतियों के बारे में जानकारी देते हुए इसका निराकरण के लिए आगे आकर पहल करने पर ज़ोर दिया एवं यह भी आश्वस्त किया कि वे राज्य में किरेटोप्लास्टी के प्रशिक्षण एवं किरेटोप्लास्टी सर्जन की उपलब्धता पर कार्य कर रहे हैं। श्री गोपाल शर्मा ने समारोह को संबोधित करते हुए नेत्रदान को हर परिवार की परंपरा बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए नेत्रदान के साथ

देहदान एवं अंगदान करने की भी अपील की। विशिष्ट अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित समाज के कुछ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी नेत्रदानी परिवार सदस्यों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

आई बैंक सोसायटी के सचिव श्री ललित प्रकाश कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह में लगभग 300 व्यक्ति सम्मिलित हुए, जिनमें ईबीएसआर परिवार एवं स्टाफ, समाज के गणमान्य व्यक्ति, शिक्षिकाएं एवं छात्राएं आदि थे। कार्यक्रम के कुशल आयोजन में एसएस जैन सुबोध शिक्षा समिति, एसएस जैन सुबोध पीजी कॉलेज एवं कानोड़िया कॉलेज प्रबंधन का भी हमें कुशल सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के संचालन में स्वयंसेवकों एवं एनसीसी कैडेट्स का महत्त्वपूर्ण ण योगदान रहा।

हमें समारोह में वित्तीय दानदाताओं से 2.96 लाख रुपये का दान उदारतापूर्वक प्राप्त हुआ। ईबीएसआर एक स्वयं सेवी संस्था है, हम उन दानदाताओं के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहते हैं, जिनकी सहायता से हम कॉर्नियल अंधेपन को दूर करने के हमारे मकसद में अग्रसर हो रहे हैं।

इस अवसर पर नेत्रदानी परिवार सदस्यों एवं कॉर्निया प्राप्तकर्ता सदस्यों ने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, उनको नेत्रदान करने की प्रेरणा कैसे मिली एवं नेत्रदान करने के बाद कैसा अनुभव हुआ। यह सुनकर मन भाव विभोर हो गया। कॉर्निया प्राप्तकर्ता सदस्यों ने बताया, रोशनी मिलने पर उन्हें कैसी अनुभूति हुई और उनके जीवन में क्या परिवर्तन आया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती आभा चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती अंजु जैन ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं सभी को लंच के लिए आमंत्रित किया।

श्रीमतीअंजु जैन
कार्यकारिणी सदस्य – ईबीएसआर

मीडिया कवरेज

नेत्रदानी परिवारों का किया सम्मान

बेधड़क | जयपुर

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से रविवार को एसएस जैन सुबोध पीजी कन्या महाविद्यालय के सभागार में नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, विशिष्ट अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ दीपक माहेश्वरी थे। समारोह में राज्यपाल ने नेत्रदान करने वाले परिवारों का अभिनंदन और स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि जो नेत्रदान करता है, वह साधु होता है।

एवं अंगदान करने की अपील की। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दीपक माहेश्वरी ने नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों चिकित्सकीय ... के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सोसायटी के अध्यक्ष पूर्व आईएएस बीएल शर्मा ...

...न महादान, इसके लिए ... लोगों को प्रेरित किया जाए : बागडे

- राज्यपाल ने नेत्रदान के क्षेत्र में कार्य करने वालों को किया सम्मानित
- आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा नेत्रदानी परिवार सम्मेलन समारोह आयोजित

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा नेत्रदानी परिवार सम्मेलन समारोह आयोजित

नेत्रदान महादान, इसके लिए लोगों को प्रेरित किया जाए : राज्य...

GUV BAGADE CALLS FOR MASS EYE DONATION TO END BLINDNESS

... emphasized that around 2.5 million people in the country are visually impaired, and everyone should contribute to developing a culture of eye donation to help eliminate blindness. Bagade was addressing the 'Eye Donor Family Conference' organized by the Eye Bank Society of Rajasthan on Sunday. He welcomed and honored the families associated with eye donation. He highlighted that if individuals pledge to donate their eyes before passing away, every visually impaired person in the country could receive vision within a single year.

SBI Officials Inaugurated Slit Lamp Microscope for Enhancing Corneal Quality Assessment

On 07.01.2025, a distinguished team from State Bank of India (SBI) inaugurated a state-of-the-art Slit Lamp Microscope at the EBSR Head Office. This marks a significant step in advancing the assessment of corneal quality for individuals suffering from corneal blindness. The ₹33 Lakhs CSR grant from SBI facilitated the acquisition of this advanced medical equipment, which will enhance EBSR's ability to assess corneas, helping more individuals regain their sight.

The inauguration ceremony was graced by key SBI officials, including:

- Sh. Sandeep Bhatnagar, Chief General Manager, LHO Jaipur
- Sh. Prabuddh Kumar, General Manager
- Sh. G. Kalyan, DGM & Circle Development Officer
- Sh. Sanjeev Upadhyay, DGM - Jaipur Administrative Office

EBSR's administrative team members, comprising President Mr. B.L. Sharma, Secretary Mr. L.P. Kothari, Vice President Mr. Kapil Garg, and Mr. V.C. Sancheti, Sh A.K. Bhandari, and Sh. R.S. Bhandari, warmly welcomed the dignitaries. Their participation underscored the significance of this initiative in EBSR's mission to reduce corneal blindness and enhance transplant services.

The Slit Lamp Microscope is a vital tool for detailed corneal evaluation, enabling more accurate and efficient assessments of corneal health. This advancement will increase the availability of corneas suitable for transplantation, offering hope to countless individuals.

This initiative exemplifies the strong partnership between SBI and EBSR, highlighting their commitment to addressing critical healthcare needs and fostering social change. The addition of this cutting-edge equipment marks a significant milestone in EBSR's efforts to combat corneal blindness and improve lives in underserved communities.

Shri Lalit Prakash Kothari
Secretary - EBSR

पाली चेप्टर

जन चेतना रैली का आयोजन

पाली चेप्टर द्वारा पुनायता इंडस्ट्रियल एरिया पाली एवं पुनायता गांव में एक नेत्रदान जन जागृति अभियान का आयोजन किया गया एवं पुनीता इंडस्ट्रियल एरिया से पुनायता गांव तक एक रैली निकाली गई जिसमें 100 व्यक्तियों ने भाग लिया एवं इस अवसर पर कई व्यक्तियों ने नेत्रदान संकल्प पत्र भरे।

श्री हुकमीचन्द जी मेहता अध्यक्ष एवं श्री केवलचन्द कवाण की प्रेरणा से श्री नरपत चन्द सिंघवी जी के निधन पश्चात् परिवारजन ने उनके नेत्रदान एवं देहदान कर निस्वार्थ मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उपस्थित लोगों को भी इससे नेत्रदान करने की प्रेरणा मिली है।

बारां, बूंदी, झालावाड़ चेप्टर

श्रद्धांजलि सभा में नेत्रदान विषय पर कार्यशाला

बीते दिनों कापरेन के वार्ड नंबर 16, दुबे कल्याण सदन निवासी तेज नारायण दुबे (भारतीय जनता पार्टी, जिला उपाध्यक्ष, बूंदी जिला) की माताजी शकुंतला देवी का आकस्मिक निधन हुआ था। उस समय भारत विकास परिषद,के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री नेशनल प्रोजेक्ट सेवा ग्राम विकास, ललित कुमार टेलर ने तेजनारायण के परिवार को नेत्रदान के लिए प्रेरित कर नेत्रदान संपन्न करवाया था ।

तेज नारायण को माता जी के नेत्रदान के उपरांत काफी सुकून था कि,उनकी आंखों से दो दृष्टि बाधित लोग दुनिया देखेंगे। तेज नारायण चाहते थे कि, समाज और शहर के लोगों को भी नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जाए। इस उद्देश्य से उन्होंने श्रद्धांजलि सभा में नेत्रदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करने के लिए कहा।

इसके उपरांत,कापरेन के राठौर सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में डॉ कुलवंत गौड़ ने कोटा से आकर शहर व समाज के सभी गणमान्य नागरिकों व परिवार के सब रिश्तेदारों के बीच नेत्रदान से जुड़ी जरूरी जानकारियों के बारे में बताया व नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया ।

कार्यशाला को आयोजित करने में भारत विकास परिषद के ओमप्रकाश महावर,रमेश चंद्र गौड़, प्रदीप कुमार गुप्ता और सुनील सिंह आचार्य का भी सहयोग रहा।

श्रीगंगानगर चेप्टर

गणतंत्र दिवस समारोह में डॉ. टांटिया का सम्मान

ईबीएसआर का श्रीगंगानगर चैप्टर डॉ. एस.एस. टांटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी के सहयोग से संरक्षक डॉ. मोहित टांटिया के निर्देशन में कार्य कर रहा है। डॉ. मोहित टांटिया को सेंट्रल जेल ने अपने गणतंत्र दिवस समारोह में नेत्रदान जागरूकता के लिए सम्मानित किया, उनका यह सम्मान सोसायटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजकुमार जैन एवं डॉ. प्रगति सोनी ने जेल अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा से ग्रहण किया। सोसायटी की तरफ से नेत्रदानी परिवार को रस्म पगड़ी, तीये की बैठक आदि में आभार पत्र भी प्रदान किया गया है। वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में एक विशेष बात यह भी रही कि फरवरी में सूरतगढ़ के पूर्व विधायक गंगाजल मील के स्वर्गवास होने पर उनका कॉर्निया प्राप्त किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- 1 फरवरी, 2025 को डॉ. एस.एस. टांटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी की बैठक में शहर के प्रमुख लोगों की भागीदारी रही। इसमें ईबीएसआर के श्रीगंगानगर चैप्टर के कोर्डिनेटर डॉ. विकास सचदेवा एवं को-कोर्डिनेटर डॉ. अर्शिया सेतिया की मौजूदगी में अवेयरनेस सोसायटी के मुख्य सलाहकार, पुलिस उप अधीक्षक वेदप्रकाश लखोटिया ने वृद्धों की उपलब्धता वाले स्थान पर वृद्धाश्रमों में नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाने का सुझाव दिया। राजकीय जिला चिकित्सालय के पीएमओ डॉ. दीपक मोंगा ने नेत्रदान से जुड़ी सूचनाएं एकत्र करने पर बल दिया। उन्होंने सकारात्मक प्रयासों से परिणाम की बात कही। बैठक में वाहनों पर नेत्रदान संबंध स्टिकर लगाने सहित कई सुझाव आए। विधायक जयदीप बिहाणी के प्रतिनिधि हिमांशु बिहाणी के हाथों नेत्रदान जागरूकता के एक पोस्टर को भी जारी करवाया गया। बैठक में शीर्ष व्यापारिक संगठन, संयुक्त व्यापार मण्डल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता, कोषाध्यक्ष हरिओम लूथरा, समाजसेवी निर्मल जैन, आर्ट ऑफ लिविंग की अंजू अग्रवाल, श्री खाटूश्याम धाम मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला आदि की भागीदारी रही।
- सद्भावना नगर स्थित कल्याण भूमि में मरणोपरांत नेत्रदान के प्रति जागरूक करने से बड़े बैनर लगवाए गए। इसी तरह पुरानी आबादी में बड़ा बैनर लगाया गया। शहर के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों के आगे छोटे बैनर भी इस अवधि में लगवाए गए।
- नेत्रदान जागरूकता के लिए कई शिविर रखे गए। इनमें ईबीएसआर के टेक्नीशियन अनुराग सारस्वत एवं सोसायटी के निशांत गर्ग ने लोगों को मरणोपरांत नेत्रदान के लिए प्रेरित किया साथ ही संकल्प पत्र भी भरवाए।
- खाटूश्याम धाम मंदिर, सुदामा नगर में फाल्गुन मेले के दौरान हैल्प डेस्क लगाकर लोगों से नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए और पम्पलेट बांटकर नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया।
- पुरानी आबादी के सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी मंदिर के वार्षिकोत्सव पर लगाए गए मेले में सोसायटी सदस्यों ने नेत्रदान जागरूकता के पम्पलेट बांटे और लोगों को नेत्रदान कर दूसरों के जीवन में रोशनी फैलाने का आह्वान किया।
- गांव पंडितांवाली में लगे रक्तदान शिविर में सोसायटी की ओर से लोगों से नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए तथा लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक किया गया।

अजमेर चेप्टर

आई चेक-अप कैम्प का आयोजन

- गत 28 फरवरी, 2025 को सरवाड़ ब्लॉक में आई चेकअप कैम्प आयोजित किया गया। कैम्प में चेक–अप के साथ ही आई डोनेशन के बारे में श्री भरत शर्मा, टेक्नीशियन द्वारा सम्पूर्ण जानकारी दी गई। नेत्रदान के लिये संकल्प पत्र भी भरवाये गये। कार्यक्रम में लगभग 600 ग्रामवासियों ने भाग लिया।

- 1 मार्च, 2025 को विजयनगर में श्री ढाबरिया जी के देहावसान पश्चात् तीसरे दिन की आयोजित बैठक में नेत्रदान के बारे में समस्त उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। बैठक में वहाँ उपस्थित जैन साध्वी जी द्वारा भी नेत्रदान करने के लिए अपने प्रवचन के माध्यम से प्रेरित किया।

- दिनांक 1 एवं 22 मार्च, 2025 को राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, परबतपुरा एवं इंजीनियरिंग कॉलेज बड़लिया अजमेर में छडड के बैनर पर आई चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया। 'नया सवेरा' फिल्म दिखाकर उन्हें नेत्रदान के महत्त्व एवं उनकी भागीदारी कैसे हो सकती है समझाया गया। श्री भरत शर्मा एवं श्री कुलदीप ने महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

- अजमेर चैप्टर ने जनवरी से मार्च, 2025 की तिमाही में 114 कॉनिया एकत्रित किये। उपयोगिता प्रतिशत 69 रहा।

उदयपुर चेप्टर

- एसबीआई पेन्शनर्स की विज्ञान समिती, अशोक नगर में नेत्रदान के बारे में श्री सूरजमल पोरवाल द्वारा एक वार्ता 17 मार्च, 2025 को विज्ञान समिती, अशोक नगर में रखी गई।

- 3 फरवरी को विद्या निकेतन हॉयर सैकेण्डरी स्कूल, उदयपुर में अंगदान एवं नेत्रदान की जानकारी देने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री एस. एम. पोरवाल मुख्य वक्ता के रूप में सभी विस्तृत जानकारी दी गई।

चूरू चेप्टर

ईबीएसआर जीवीएम आई कलेक्शन सेंटर की शुरूआत

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर, राज्य के लिए कॉर्निया की उपलब्धता बढ़ाने के लिये प्रयासरत हैं। इसके लिए हम लगातार स्थानीय स्वैच्छिक संगठनों या ऐसे व्यक्तियों के संपर्क करते हैं, जो नेत्रदान को बढ़ावा देने के इच्छुक हों।

इसी क्रम में चूरू में गांधी विद्या मंदिर, एक प्रतिष्ठित संस्था से संपर्क किया गया। यह संस्था स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और सामाजिक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में कार्यरत है। इस संबधं में हमारी कई महत्वपूर्ण चर्चाएँ ब्रिगेडियर अजयपति त्रिपाठी (से.नि.), सचिव, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, जिला चूरू; डॉ. रविंद्र कुमार शर्मा, प्राचार्य, आयुर्वेद महाविद्यालय; और श्री गणेश दास स्वामी, सक्रिय समाजसेवी के साथ हुईं। विचार–विमर्श के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि चूरू जिले में नेत्रदान कार्य को बढ़ावा देने के लिए ईबीएसआर जीवीएम आई कलेक्शन सेंटर, चूरू की स्थापना की जाएगी, जिसका मुख्यालय सरदारशहर में होगा। इस केंद्र का कार्यक्षेत्र संपूर्ण चूरू जिला रहेगा।

इस ईबीएसआर जीवीएम आई कलेक्शन सेंटर, चूरू के लिये डॉ. रविंद्र कुमार शर्मा को प्रमुख और श्री गणेश दास स्वामी को समन्वयक 25 दिसंबर 2024 को नामित किया गया, श्री भंवरलाल प्रजापत को सरदारशहर, जिला चूरू में नेत्रदान काउंसलर सह तकनीशियन के पद पर नियुक्त किया गया।

केंद्र का औपचारिक शुभारंभ 30 जनवरी, 2025 को हुआ, जिसमें पूज्य संतो और जैन साध्वियों की साक्षी रही। इस केंद्र को स्थानीय तेरापंथ जैन युवा परिषद और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों का अच्छा सहयोग प्राप्त है। केंद्र ने कॉर्निया संग्रहण का कार्य प्रारंभ किया और नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए। अब तक केंद्र ने 8 कॉर्निया एकत्र किए, जिनमें से 3 कॉर्निया का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया। आशा है कि यह केंद्र अधिक तेज गति से कार्य करेगा और कॉर्नियल अंधता से पीड़ित लोगों को दृष्टि प्रदान करने के इस महान कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा।

जयपुर चेप्टर

सिन्धी कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर में नेत्रदानी परिवार को तीसरे दिन की बैठक में गीता एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए।

नेत्रदान के लिए जन सहभागिता एवं जन चेतना का महत्व

नेत्रदान एक ऐसा महान कार्य है जो किसी की अंधेरी दुनिया को रोशनी से भर सकता है । जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है तो वह किसी नेत्रहीन व्यक्ति को दृष्टि का अनमोल उपहार दे सकता है। लेकिन नेत्रदान को सफल जन आंदोलन बनाने के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी और जन चेतना आवश्यक है ।

दुनिया के कई देशों में नेत्रदान को लेकर जागरूकता एवं व्यवस्थाएं अलग–अलग हैं। अमेरिका, स्पेन और श्रीलंका जैसे देश नेत्रदान में

अग्रणी है। जबकि कुछ देश उनके यहां नेत्रदान के लिए जागरूकता और कानूनी बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। जापान जैसे विकसित राष्ट्र में भी भारत की तरह ही पारंपरिक एवं धार्मिक मान्यताओं के कारण अंगदान एवं नेत्रदान की स्वीकृति मुश्किल से मिलती है, लेकिन धीरे–धीरे जन चेतना एवं सरकारी प्रयासों से इसकी स्थिति में परिवर्तन आ रहा है।

भारत जैसे देश में जहां लाखों लोग दृष्टिहीनता से पीड़ित है उनके जीवन में रोशनी देने के लिए सामाजिक सहभागिता एवं जन आन्दोलन की बहुत आवश्यकता है। समाज में अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ेंगे तभी नेत्रदान की संख्या बढ़ेगी और अधिकाधिक लोगों को दृष्टि मिल सकेगी। अंधेरे से उजाले तक का सफर मृत्यु पश्चात् नेत्रदान से ही संभव है, जिसका निर्णय प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन काल में ही संकल्प लेकर पूरा कर सकता है। जब समाज के हर वर्ग के लोग नेत्रदान के महत्व को समझेंगे और इसमें अपनी भागीदारी निभाएंगे, तब

ही यह जन आंदोलन बन सकेगा । वर्तमान में मृत्यु दर के मुकाबले नेत्रदान करने वालों की संख्या बहुत ही कम है। इसके लिए भी इस क्षेत्र में कार्य कर रही सामाजिक संस्थाओं को निरंतर प्रयास करने होते हैं । आई बैंक सोसाइटी आफ राजस्थान ने 24 वर्ष पूर्व सामाजिक सहभागिता एवं जन चेतना का कार्य प्रारंभ कर नेत्रदान की शुरूआत की थी। इस लंबी कार्यावधि के अनुभव के आधार पर जन चेतना एवं सामाजिक भागीदारी के लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग कर नेत्रदान को समाज एवं परिवार की परंपरा बन सके इस हेतु निम्न प्रयास किए जा रहे हैं ।

1. **हर क्षेत्र के लोगों के बीच जाकर नेत्रदान के महत्व को समझाना।**
2. **युवाओं की भागीदारी–** स्कूल ,कॉलेज और सामाजिक संगठनों के माध्यम से युवाओं को जागरुक कर नेत्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाया जा सकता है ।इस कार्य के लिए वह ज्योति मित्र बनकर परिवार व समाज के लोगों के बीच नेत्रदान का संदेश पहुंचा सकते हैं
3. **भ्रम एवं गलत मान्यताओं को दूर करना–** कई लोग नेत्रदान को लेकर अंधविश्वास एवं गलतफहमियों से ग्रसित रहते हैं । उनके बीच जाकर

उन्हें सही जानकारी देने का कार्य करने पर सामाजिक सहभागिता बढ़ने लगी है। वास्तव में सामाजिक बदलाव बहुत धीमी गति से होता है, जिसका प्रभाव लंबी समयावधि के बाद ही दृष्टिगोचर होता है।

4. **प्रेरणा और उदाहरण–** जब समाज में सम्मानित लोग, नेता, अभिनेता, खिलाड़ी या किसी भी क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित व्यक्ति द्वारा नेत्रदान का संकल्प लिया जाता है या उनके परिवारजन द्वारा नेत्रदान किया जाता है, तो आम लोग भी इससे प्रेरित होते हैं। नेत्रदानी परिवार का सम्मान समारोह का प्रतिवर्ष आयोजन सामाजिक रूप से अन्य लोगों को भी नेत्रदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ही किया जाता है ।
5. **सरल और सुरक्षित नेत्रदान प्रक्रिया का प्रचार–** लोगों को यह बताने की आवश्यकता महसूस की गई कि नेत्रदान के लिए शरीर से पूरी आंख नहीं निकाली जाती है अपितु एक झिल्ली मात्र ही ली जाती है जिससे चेहरे के

स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं होता। यह प्रक्रिया आसान, सुरक्षित और दर्दरहित 20 से 25 मिनट में संपादित हो जाती है।

6. **मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग–** नेत्रदान का संदेश जन–जन तक पहुंचाने के लिए अनेक माध्यमों का सहयोग लिया जाता है। वन –टू– वन मीटिंग, डॉक्यूमेंट्री फिल्म, युवाओं तक शैक्षिक संस्थानों के माध्यम से पहुंच, आई चेक अप मेडिकल कैंप्स, विभिन्न बैठकों का आयोजन, मीटिंग्स एवं ट्रेनिंग कार्यक्रमों में भी नेत्रदान की बात की जाती है। अब आईटी के विकास के साथ टेलीविजन पर वार्ताओं का आयोजन, समाचार पत्र, सोशल मीडिया एवं फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, वेबसाइट एवं डिजीटल अभियानों के माध्यम से भी नेत्रदान का व्यापक प्रचार प्रसारकिया जा रहा है। इसमें ए–आई के आने से और नवीन संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त हो रहा ।

7. **धार्मिक एवं नैतिक पहलू–** विभिन्न धार्मिकऔर सांस्कृतिक संगठनों के माध्यम से यह संदेश जन–जन तक पहुंचाया जा सकता है ।भारत धार्मिक आस्थाओं का देश है। धर्म गुरुओं के द्वारा कही गई बात सभी के मन को जल्दी प्रभावित करती है।जैन मुनियों ,हिंदू साधु संतो ,सिख गुरुओं द्वारा अपने प्रवचन में नेत्रदान की आवश्यकता एवं मृत्यु पश्चात् नष्ट होने वाले शरीर से नेत्रदान कर किसी के जीवन के अंधकार को दूर करना ही सबसे बड़ा मानव धर्म है। यह संदेश नेत्रदान को जन आंदोलन बनाने में बहुत सहायक हो सकता है। श्रीलंका जैसे छोटे से राष्ट्र में बौद्ध धर्म के प्रभाव से लोग नेत्रदान को पुण्य कार्य मानते हैं और स्वेच्छा से नेत्रदान करते हैं। वहांसे कॉर्निया 50 से अधिक देशों में भेजा जाता है। अतः भारत जैसे विशाल राष्ट्र में सभी धर्म गुरुओं द्वारा नेत्रदान या अंगदान का संदेश प्रसारित हो जाए तो निश्चय ही नेत्रदान परिवार एवं समाज की परंपरा बन जाएगी। कुछ संत महात्माओं ने इस की पहल की एवं अपने प्रवचनो में नेत्रदान का संदेश अपने भक्तों को दिया है।

निष्कर्ष रूप में हम यह कह सकते हैं कि नेत्रदान को लेकर सामाजिक सहभागिता और जन चेतना बहुत जरूरी है। जब समाज के सभी लोग इस नेक कार्य में भाग लेंगे तो अंधकार में जी रहे लाखों लोगों के जीवन में रोशनी आ सकेगी ।अंधेरे से उजाले तक का सफर आपके नेत्रदान से ही संभव है।

उषा बापना
संयुक्त सचिव – ईबीएसआर

नेत्रदान – महादान

पुत्र के नेत्रदान करने वाले पिता के मनोभाव - एक अभिनव सामाजिक पहल

जब कभी रात में हमारे घर की लाइट अचानक बंद हो जाये तो हम आँखों के होते हुए भी अँधियारे से ग्रस्त होकर किस प्रकार बेबस और लाचार हो जाते हैं और मन ही मन उस परिस्थिति व व्यवस्था को कोसते हैं कि क्यों ऐसा हो गया ?

तो सोचकर देखिए कि उन लोगों पर क्या बीतती होगी जिनके लिये दिन हो या रात उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता उनके लिये तो हर स्थिति में अंधियारा ही हिस्से आया है।

कहते हैं कि नैन गये जग गया अर्थात उन नेत्रहीनों के लिए ये विभिन्न रंगों से भरी दुनिया ताउम्र बदरंग ही बनी रहती है। आँखों की महत्वत्ता को दर्शाते हुए आँखों को केंद्र में रखकर कवियों व साहित्यकारों ने बहुत सारी रचनाएं रची है उदाहरणार्थ

कागा सब तन खाइयो और चुन – चुन खाइयो माँस
दो नैना मत खाइयो मोहे पिया मिलन की आस

तो सोचिये ईश्वर प्रदत्त मानव शरीर में आँखों की महत्वत्ता को किस स्तर पर रखकर देखा गया है कहते हैं कि मानव जीवन के झंझावातों से पार पाने में दुआएं बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं।

इस धरा पर रहने वाले विभिन्न प्राणियों में से ईश्वर द्वारा रचित इंसान ही एक ऐसी सर्वश्रेष्ठ रचना है जिसे ईश्वर ने ढेर सारी खूबियों के साथ इस धरा पर अवतरित किया है। मनुष्य जीवन की महत्वत्ता। के बारे में कहा गया है कि मानव शरीर देवताओं के लिए भी दुर्लभ होता है।

अन्य प्राणियों से अलग विशिष्टताओं के चलते मानव इस धरा पर जीवन यापन करते हुए अपने जीवन को संवारने के साथ – साथ परिवार, समाज, देश व दुनिया के लिए जीते जी सोच से परे बहुत कुछ कर सकने की स्थिति में होता है ।

हम मानव एक सामाजिक प्राणी हैं। हमारी जीवनचर्या के दौरान हमारे जीवन पर परोक्ष व अपरोक्ष रूप से समाज का ऋण भार हो जाना लाज़मी है। उससे उऋण होने के लिये हमें समाज को लौटाने के लिए समाज सेवा के विभिन्न स्तरों पर कुछ ना कुछ जरूर करते रहना चाहिये।

समाज में कई विरले जिनके हृदय में मानवीय गुणों का जो अतिरेक होता है उसके चलते ऐसे व्यक्तित्व के धनी मनुष्य जीते जी समाज सेवा के लिये बहुत कुछ करने के बाद भी जब वे इस दुनिया से जाते हैं तो समाज को कुछ ऐसा देकर जाने की मंशा रखते हैं ताकि परिवारजन व समाज उसे उसके जाने के बाद भी उसके जन सरोकार से जुड़े मानवीय कृत्यों के लिये याद रखते हुए निरन्तर प्रेरणा लेते रहे व औरों को भी प्रेरित करते रहे।

किसी कवि की ये पंक्तियां प्रासंगिक होगी कि

हँस के कोई मरा, कोई रोके मरा
मगर ये जिंदगी जी उसने जो कुछ करके मरा

राजकुमार शर्मा,
शिक्षक
जमवारामगढ , जयपुर

Progress of APPI Project

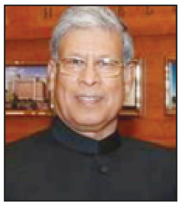

The Project , being implemented by EBSR through the financial Grant approved by Azim Premji Philanthropic Initiative (APPI), includes following three programmes :

1. **Community Outreach Programme**
2. **Network Expansion Programme , and**
3. **Strengthening of Existing Infrastructure.**

The maim objectives underlying these programmes is to increase awareness in the public about eye donation and consequent enhancement in the rate of collection of good quality corneas , fit for corneal transplantation so as to facilitate restoration of vision of the visually impaired persons.

The progress of execution of activities under these programmes , during the first two years has been as under :

Activity.	**Yr 2023.**		**Yr. 2024**	
	Target.	**Ach.**	**Target.**	**Ach.**
(A) Community Outreach Programme				
1. Organising Awareness Camps , Workshops, and events at Panchayat level	38.	45.	55.	54
2. Participate in Govt/ Semi Govt/Other group activities	12.	12.	16.	17
3. Participate in Health Camps for communities	2.	2.	4.	4
(B) Network Expansion Programme (Bikaner & Shriganganagar)				
1. Collection of of transplantable corneas	80.	80.	280.	52.
(C) Strengthening of Existing Infrastructure. (Ajmer)				
1. Collection of of transplantable corneas	90.	305.	110.	306

Year wise outlay and expenditure under the Grant is given below (In Rupees) :

Details.	**Yr. 2023.**	**Yr. 2024**
1. Approved Grant	24,99,000 /-	29,32,000/-
2. Expenditure.	25,13,124/-	27,61,665/

The figures of achievement as shown in above tables , are very reassuring and it is expected that the progress in the year 2025 , i.e. the current year will also be likewise satisfactory.

Shri V.C. Sacheti
Vice President - EBSR

EBSR's Performance in 2024 : A Year of Remarkable Growth and Impact

The Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR) has continued its dedicated efforts in eye donation awareness, cornea collection, and transplants, achieving significant milestones in 2024. The annual report highlights the organization's progress, chapter-wise contributions, and star performers who played a crucial role in this success.

Annual Performance Overview

EBSR recorded an impressive 2,548 cornea collections in 2024, with 1,666 successful transplants, leading to a 65% utilization rate. These number reflect the society's commitment bridging the gap between corneal blindness and sight restoration.

Monthly Collection & Transplant Trends

The year began with strong momentum, with January registering the highest number of cornea collections at 318, followed by significant contributions in March (268), February (263) and December (258). Transplant number remained consistently high throughout the year, with December (157), November (155) and January (198) showing peak performance.

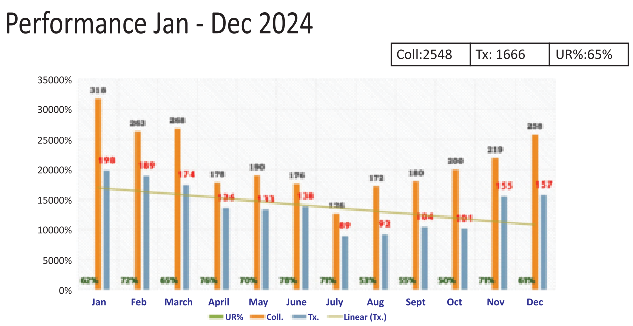

Chapter-Wise Contributions

EBSR operates through multiple regional centers, and their collective efforts have driven this success. The top-performing chapters were :

Jaipur : 1,314 collection (67% of the total)
Ajmer : 305 collections
Kota : 163 collections
Bundi-Baran-Jhalawar (BBJ) : 83 collections
Jodhpur : 38 collections
Smaller Contributions : Bhilwara (19), Pali (21), Udaipur (21)

Jaipur remains the flagship contributor, followed by Ajmer and Kota, showcasing a strong network of eye donation and transplant efforts.

Recognizing Star Performers of 2024

EBSR acknowledges individuals whose relentless dedication has significantly impacted eye donation efforts.

Quarterly Star Performers – 2024

Year Qtr.	Star Performers	Runners up
2024 Q1	**Bharat Kumar** Coll : 72 Tx : 59 UR%82	**Kuldeep** Coll : 49 Tx : 41 UR%84
2024 Q2	**Bharat Kumar** Coll : 58 Tx : 50 UR%86	**Tinku Ojha** Coll : 52 Tx : 44 UR%85
2024 Q3	**Anand Vyas** Coll : 95 Tx : 63 UR%66	**Bharat Kumar** Coll : 52 Tx : 65 UR%67
2024 Q4	**Tinku Ojha** Coll : 66 Tx : 43 UR%65	**Dr. Kulwant** Coll : 74 Tx : 40 UR%54

Annual Star Performers (2024)

2024 : Bharat Kumar Sharma (224 collections, 174 transplants, UR% : 78%) – Star Performer

2024 : Kuldeep Singh (159 collections, 132 transplants, UR% : 83%) – Runners-Up

The year 2024 has been a milestone year for EBSR, reinforcing its role as a leading organization in eye donation and corneal transplant programs. The dedication of various chapters and individuals has significantly contributed to achieving the society's mission of preventing corneal blindness. With continued efforts, government support, and enhanced public participation, EBSR aims to expand its impact further in the coming years.

Ms. Sudarshna Shekhawat
Sr. Manager, EBSR

कॉर्निया वितरण - एक परिदृश्य

हम जानते हैं कि कॉर्नियल दृष्टिहीन व्यक्तियों की दृष्टि को बहाल करने के लिए कॉर्निया आँख का एक आवश्यक हिस्सा है।

भारत में 12.5 मिलियन कॉर्नियल दृष्टिहीन व्यक्ति हैं और राजस्थान में ही 3 लाख कॉर्नियल दृष्टिहीन व्यक्ति हैं।

ईबीएसआर राजस्थान में ही नहीं भारत देश में कॉर्नियल दृष्टिहीनता को खत्म करने के उद्देश्य से काम कर रहा है। ईबीएसआर भारत के शीर्ष नेत्र बैंकों में से एक है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ईबीएसआर सभी HOTA (Human organs and Tissues Act 1994) पंजीकृत सरकारी अस्पतालों, धर्मार्थ अस्पतालों और निजी अस्पतालों को कॉर्निया प्रदान कर रहा है। ईबीएसआर राजस्थान के 10 प्रमुख शहरों अजमेर, बांसवाड़ा, बीकानेर, भीलवाड़ा, जयपुर, जोधपुर, कोटा, सीकर, श्रीगंगानगर और उदयपुर में कॉर्निया की सुविधा उपलब्ध करवाता है जहाँ केरोटोप्लास्टी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

राजस्थान के बाहर ईबीएसआर 9 राज्यों– दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, गुजरात, उत्तराखंड और महाराष्ट्र को सुविधा प्रदान करता है तथा इन राज्यों के 30 शहरों को सीडीएस (केन्द्रीय वितरण प्रणाली) प्रणाली के माध्यम से कवर करता है, जिसे ईबीएसआर और साइट लाइफ द्वारा संचालित किया जा रहा है।

भारत में दूर–दराज के स्थानों पर सुरक्षित और समय पर कॉर्निया भेजने के लिए बसों, ट्रेनों और हवाई मार्गों का उपयोग किया जाता है। सर्जन तक कॉर्निया के सुगम परिवहन के लिए राजस्थान सरकार की मदद से एक विशेष आदेश प्रसारित किया गया है। कॉर्निया के लिए विशेष पैकेजिंग प्रक्रिया काम में ली जाती है जो बाहरी पर्यावरणीय कारकों से कॉर्निया की रक्षा करती है। ऊतक की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा है, हम सुनिश्चित करते हैं कि सर्जन को उचित समय पर कॉर्निया उपलब्ध करवा दिए जाएं।

हम प्राथमिकता–आधारित ऊतक वितरण प्रणाली के आधार पर वितरण कर रहे हैं जो राजस्थान में सरकारी अस्पतालों को प्राथमिकता देती है, उसके बाद निजी अस्पतालों को और अंत में राजस्थान के बाहर के अस्पतालों के लिए केन्द्रीय वितरण प्रणाली (सीडीएस) को प्राथमिकता देती है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ऊतक अन्य क्षेत्रों में वितरण पर विचार करने से पहले राज्य के भीतर अधिकाधिक उपयोग में लिये जायें जिससे कॉर्निया खराब होने की संभावना कम हो।

राजस्थान में सरकारी और निजी अस्पतालों के लिए ऊतक वितरण के लिए क्रमश: दो व्हाट्सअप ग्रुप ईबीएसआर राजस्थान कॉर्निया ग्रुप और ईबीएसआर कॉर्निया ग्रुप बनाए गए हैं। इस ग्रुप में सर्जनों के लिए ऊतक की विस्तृत जानकारी साझा की जाती है जिसमें सर्जन अपने रोगियों के लिए उपयुक्त ऊतक का चयन करते हैं, ऊतक पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर आवंटित किये जाते हैं।

यह प्रणाली पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायसंगत होने के लिए डिजाइन की गई है। सरकारी अस्पतालों को प्राथमिकता देकर, हमारा लक्ष्य सभी नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करना है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। राजस्थान के निजी अस्पतालों को भी उनके मरीजों की जरूरतों के हिसाब से टिश्यू उपलब्ध हैं, ताकि सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो सके। इसके अलावा राजस्थान के बाहर के अस्पतालों के लिए केन्द्रीय वितरण प्रणाली (सीडीएस) को शामिल करने से हम उन क्षेत्रों में टिश्यू उपलब्ध कराकर उन्हें एक्सपायर होने से बचाने की अपनी प्रतिबद्धता को पूर्ण करते है।

यह प्रणाली न केवल ऊतकों का कुशल आवंटन सुनिश्चित करती है, बल्कि इन महत्त्वपूर्ण संसाधनों के लिए सर्जनों को समान अवसर भी प्रदान करती है।

वर्ष 2024 में कॉर्निया वितरण

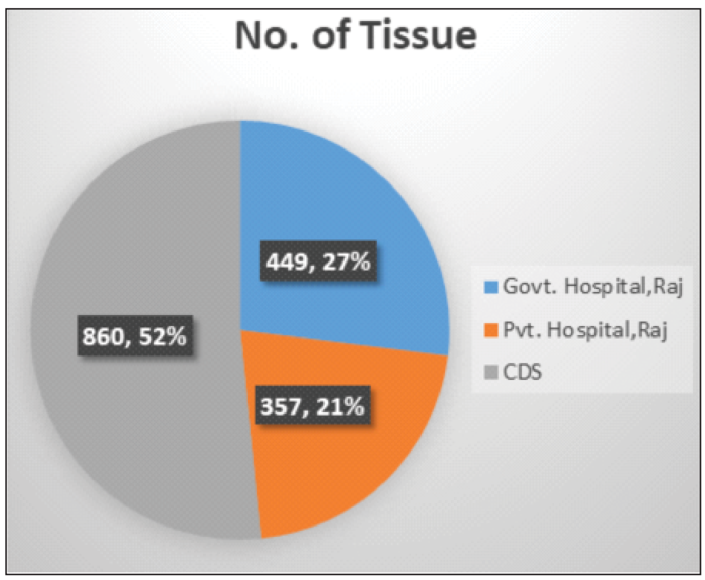

एक गैर सरकारी संगठन के रूप में हमारी कुछ सीमाएँ हैं, न्यूनतम संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए ईबीएसआर न केवल राजस्थान में बल्कि भारत के अन्य भागों में भी जरूरतमंद व्यक्तियों को कॉर्निया उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है। जहां केरोटोप्लास्टी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं वहाँ सुरक्षित और समय पर कॉर्निया भेजने में हम सक्षम हैं।

श्री पुलकेश
डिप्टी मैनेजर – ईबीएसआर

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम, पता
	जनवरी, 2025
1.	राजेश महला, मोजमाबाद, जयपुर
2.	बादल प्रकाश मिश्रा, मुरैना (यू.पी.)
3.	गणपत लाल गर्ग, झालावाड़
4.	मधुलिका शर्मा, जोधपुर
5.	मधु कपूर, जोधपुर
6.	हेमनारायण अग्रवाल, जोधपुर
7.	हितेश भूरात, जोधपुर
8.	ललित पालगोटा, दीप पाल रोड
9.	धर्मेन्द कुलदीप, भवदसिया
10.	दीपू सैन, करौली
11.	आशा हरचंदानी, ब्यावर
12.	रतन देवी कोठारी, भीलवाड़ा
13.	दशरथ प्रजापत, जोधपुर
14.	महावीर चंद, पाली
15.	मनोज कुमार, चूरू
16.	विनोद कुमार, जयपुर
17.	रूप सिंह नवादा, विजय नगर
18.	आशा देवी, किशनगढ़
19.	रवि मीना, जयपुर
20.	अविनाश रानी कोचर, जयपुर
21.	दाता राम, हनुमानगढ़
22.	गीता विजयवर्गीय, कोटा
23.	ललित गौड़, झालवाड़
24.	बाली कंवर, जोधपुर
25.	कमला देवी, जोधपुर
26.	मन राज सर्राफ, जोधपुर
27.	राजेंद्र प्रसाद बुनकर, शाहपुरा, जयपुर
28.	विजय कुमार, सीकर
29.	सरला गुप्ता, कोटा
30.	सुरेश प्रजापत, भीलवाड़ा
31.	गुलाब चंद सारडा, शाहपुरा
32.	लालचंद व्यास, झालावाड़,
33.	मोहन लाल, चौमूं, जयपुर
34.	चन्द्रपाल सिंह, मथुरा (यूपी)
35.	लक्की कुमार बैरवा, सवाईमाधोपुर,
36.	प्रकाश मल पटवा, जोधपुर
37.	लता मेघलानी, ब्यावर
38.	हंसराज जाट, भीलवाड़ा
39.	रेखा डायलानी, जयपुर
40.	मोनिका कुमारी मीना, जयपुर
41.	कृष्णा गेरा, कोटा
42.	जॉन एम. एम., अजमेर
43.	शांति लाल जी नाहटा, भीलवाड़ा
44.	हंसराज मेहता, कोटा
45.	पूनम चंद पींचा, नोखा
46.	पूनाराम चौहान, पाली
47.	श्रीमती ललिता देवी लोढ़ा, सदर बाजार
48.	सुभाष चंद यादव, अलवर
49.	सीताराम माहवर, अजमेर
50.	कैलाश जैन, कोटा
51.	जवारी लाल पटेल, जोधपुर
52.	विनीत साहनी, जयपुर
53.	नवरतन मल सांघवी, भीलवाड़ा
54.	श्रीमती शिमला देवी, विजय नगर
55.	कालू परमार, जयपुर
56.	श्रीमती मीना गोखलानी, ब्यावर
57.	संजय सिंह, जयपुर
58.	कमला देवी, कोटा
59.	सागरमल जैन, झालावाड़
60.	रमेश चंद, जयपुर
61.	पार्ला त्रिलोक,आंध्रप्रदेश
62.	कैलाश भगतानी, ब्यावर
63.	रजनीकांत गांव, भरतपुर
64.	श्रीमती संतोष अग्रवाल, जोधपुर
65.	मलखान, हाथरस (यूपी)
66.	मिथलेश, सवाईमाधोपुर
67.	प्रेम चंद नाहर, दादाबाड़ी
68.	कांति गुप्ता, कोटा
69.	रजत सिंह, झुंझुनूं
70.	राजेश मंधाना, जयपुर
71.	मनन जैन, बूंदी
72.	रामगोपाल, झालावाड़
73.	मीरा देवी, भरतपुर
74.	नवीन, जयपुर
75.	लक्ष्मण मोहन लाल, उज्जैन
76.	मूलचंद बबेल, भीलवाड़ा
77.	बजरंग लाल शर्मा, झालावाड़
78.	इंद्रदेव, कोटा
79.	भूरी सिंह, धौलपुर
80.	हरक चंद घोखरू, गुलाबपुरा
81.	कनक, सीकर
82.	शांति लाल जैन, भीलवाड़ा
83.	आफरीन, बरेली
84.	राजकुमार अग्रवाल, अजमेर
85.	जगदीश चंद्र गुप्ता, कोटा
86.	प्रीति, महेन्द्रगढ़
87.	राकेश मेहरा, जयपुर
88.	रमेश चंद गोयल, नसीराबाद
89.	राजकुमार, जयपुर
90.	रेखा देवी, आगरा
91.	दिनेश, सीकर
92.	मनमोहन मीणा, दौसा
93.	हेमराज मीणा, जयपुर
94.	लक्ष्मण सिंह हाड़ा, टोंक
95.	आसाराम, अलवर
96.	दीपचंद, सीकर
97.	सुधा देवी, कोटा
98.	महावीर प्रसाद जैन, कोटा
99.	कुसुम चावत, उदयपुर
100.	महेंद्र सिंह पथरिया, नसीराबाद
101.	नेमी चंद भंडारी, जोधपुर
102.	पूरण जाटव, अलवर
103.	चन्द्र अडवाणी, ब्यावर
104.	अंगूरी देवी जाटव, अलवर
105.	ओम प्रकाश विजय, कोटा
106.	चंद्र प्रकाश अजवानी, कोटा
107.	किशोर दत्त पुरोहित, जोधपुर
108.	रजनीश मीना, झुंझुनू
109.	सुशील कुमार, इलाहबाद (यूपी)
110.	निर्मला देवी, श्रीगंगानगर
111.	पृथ्वीराज धानुका, श्रीगंगानगर
112.	कैलाश देवी, श्रीगंगानगर
113.	धापली देवी, श्रीमाधोपुर, सीकर
114.	भगवती देवी मित्तल, जयपुर
115.	राजाराम, भरतपुर
116.	प्रवीण बोरदिया, भीलवाड़ा
117.	मान कंवर, भीलवाड़ा
118.	दया शंकर शर्मा, धौलपुर
119.	पूर्वी, जयपुर
120.	उमा घोष, जोधपुर
121.	बसंती लाल बाबेल, भीलवाड़ा
122.	हगम कंवर, अजमेर
123.	नीरा चौरसिया, बूंदी
124.	राजेंद्र गर्ग, जोधपुर
125.	भगवती प्रसाद, खैरथल (तिजारा)
126.	बंसीलाल कुमावत, अजमेर
127.	धर्मी चंद, विजय नगर
128.	राजमल धानी, अजमेर

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स. नाम पता

129. पुष्पा बाई, पाली
130. अशोक कुमार पंजाबी, पीबीएम अस्पताल
131. रतनलाल बैद, नोखा
132. मंजूदेवी रैदास, अजमेर
133. प्रधान, झुंझुनूं
134. दिलीप भाटिया, चित्तौड़गढ़
135. महेश कुमार, सोनभद्र (उत्तरप्रदेश)
136. रतन देवी, चित्तौड़
137. मिश्रीलाल लोढ़ा, चित्तौड़गढ़

फरवरी, 2025

1. राधे योगी, करौली
2. चिमन लाल जोगी, अलवर
3. नरेन्द्र स्वामी, झुंझुनूं
4. अंजू देवी, कांकरोली
5. विमला गोधा, उदयपुर
6. परमेश्वर वासनवाल, अजमेर
7. महेशचंद सेवल, अजमेर
8. हरबंस लाल राजपाल, कोटा
9. लता किशन चावला, जयपुर
10. राजेंद्र अग्रवाल, झालावाड़
11. कांता देवी बुच्चा, चूरू
12. सत्यनारायण, अजमेर
13. रतन लाल, सीकर
14. रवीना बाई, दौसा
15. पूजा दुग्गड़, सरदारशहर
16. अजय मीना, धौलपुर
17. रामजी लाल, टोंक
18. अशोक, भरतपुर
19. वास देवी, कोटा
20. मुरली मनोहर, मथुरा (यूपी)
21. रेखा देवी, दौसा
22. आर्यन शर्मा, पीबीएम अस्पताल
23. जगन्नाथ, कोटा
24. अनिता देवी, गंगानगर
25. लालचंद रेगर, जयपुर
26. नानूराम मीना, जयपुर
27. विजय किशन अग्रवाल, पाली
28. अमित, जयपुर
29. श्रीमती नोरत कंवर सुराणा, भिनाय
30. श्रीमती मधु अस्थाना, अजमेर
31. अमर सिंह, भरतपुर
32. सुगना देवी, जयपुर
33. अजय सिंह सोढ़ा, जोधपुर
34. सुशील कुमार गुप्ता, जोधपुर
35. पटाक्षी, कोटा
36. राकेश अग्रवाल, भीलवाड़ा
37. पारसमल सेतिया, पहुना
38. पवन कुमार, झुंझुनूं
39. मंजू बंजारा, नागौर
40. अतुल कुमार, शहजापुर
41. रमेश आदिवासी, ग्वालियर (मध्यप्रदेश)
42. गिरधर गोपाल गोयल, कोटा
43. बीना बारोतिया, कोटा
44. दिलीप सिंह, झुंझुनूं
45. तारा देवी दोसी, उदयपुर
46. दिनेश कुमावत, जयपुर
47. हर्षिता शर्मा, दौसा
48. रिल्हब चंद बोथरा, किशनगढ़
49. योगेश पोरवाल, जयपुर
50. भूलचंद गोकानी, पाली
51. कैलाश चन्द्र गुप्ता, रामगंजमंडी,
52. सोनम यादव, कोटपूतली
53. लोकेश बैरवा, जयपुर
54. ताराचंद, जयपुर
55. राजकुमार जैन, जयपुर
56. अशोक कुमार गुप्ता, जयपुर
57. सलीम खान, दौसा
58. रेशमी देवी, जोधपुर
59. श्याम लाल नामा, कोटा
60. रजनी कपूर, कोटा
61. कमला देवी सोनी, आगूचा
62. लाल चंद स्वामी, सीकर
63. हामिद अली, टोंक
64. बनवारी लाल महावर, दौसा
65. राहुल अटल, जयपुर
66. मस्तराम मीना, टोंक
67. ललित हरिजन, दौसा
68. सिद्धार्थ जैन, सूरत
69. धर्मेन्द्र शर्मा, जोधपुर
70. श्रीमती कामिनी भंडारी, जोधपुर
71. श्रीमती कमला धारीवाल, जोधपुर
72. गिरिराज धानका, जयपुर
73. श्रीमती शांति मेहरा, अजमेर
74. प्रहलादसिंह रावत, ब्यावर
75. गोलू स्वामी, कोटपूतली
76. जमना देवी, मांडू
77. देवेन्द्र कुमार, करौली
78. देवकुमार दयाराम पंजाबी, ब्यावर
79. मांगीलाल गुप्ता, कोटा
80. किन्ना देवी, करौली
81. प्रवीना सोरल, कोटा
82. इंद्र मल गंगवाल, भीलवाड़ा
83. कविता सैनी, अलवर
84. वीणा भाटिया, 12–एल ब्लॉक
85. गंगाजल मील, श्रीगंगानगर
86. मुकेश सोनी, मथुरा (उ.प्र)
87. नेमीचंद जैन, कोटा
88. केसरीमल जैन, मंदसौर (म.प्र.)
89. लूणकरण बोथरा, बीकानेर
90. रोड़ू लाल मालव, कोटा
91. राजबहादुर, झाँसी (यूपी)
92. आनंदी देवी, जयपुर
93. मुरारी लाल गर्ग, कोटा
94. पुष्पा कोठारी, उदयपुर
95. मोहन लाल कछावा, अजमेर
96. अनिल कुमार अग्रवाल, कुआला
97. श्रीमती कुसुम जैन, महा मंदिर
98. वशुनीत शर्मा, पाल रोड
99. शांति बाई, झालावाड़
100. रवीन्द्र जैन, कोटा
101. विजय दंड, जोधपुर
102. गोरधन दास शर्मा, ब्यावर
103. भरत सिंह, सीकर
104. अमित मीना, जयपुर
105. मन्नी देवी, दौसा
106. राजी बाई, कोटा
107. सुमित्रा देवी, बारां
108. विश्वेन्द्र सिंह, करौली
109. रविशंकर, जयपुर
110. सुमित कुमार, जयपुर
111. कुन्दन सिंह, सीकर
112. सरोज, 42 एच–ब्लॉक
113. सोहन देवी, राजसमद
114. श्रीमती शांति, गोपी कृष्ण विहार
115. कैलाश मल कावड़, जोधपुर
116. सोहन लाल संचेती, जोधपुर
117. महेंद्र सिंह टूटजा, विजय नगर
118. विमला देवी जैन, कोटा
119. अनिता शर्मा अलवर
120. सोहन देवी डाबरिया, विजय नगर

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता

121. हेम सिंह राजपूत, सवाई माधोपुर
122. सावर सिंह, झुंझुनूं
123. श्याम सुंदर शर्मा, सीकर

मार्च, 2025

1. शांति लाल कटारिया, अजमेर
2. भूषण कालरा, कोटा
3. राधेश्याम बैरवा, अलवर
4. बनवारी सैनी, दौसा
5. शिव लाल, डीग
6. अभिषेकसिंह रावत, अजमेर
7. रामजीलाल रैगर, अजमेर
8. रवि, सवाई माधोपुर
9. रामेश्वर, जयपुर
10. कालू सिंह, झालावाड़
11. दुर्गेश शर्मा, रामगंज
12. ऋषिकेश सैनी, जयपुर
13. मोहन लाल, टोंक
14. अजित चौधरी, पांचावाला, जयपुर
15. गोवर्धन चौधरी, जयपुर
16. जीतेन्द्र सिंह शेखावत, जयपुर
17. ओम प्रकाश जांगिड़, सीकर
18. मीनाक्षी बैरवा, जयपुर
19. जतिन मेघावाल, झुंझुनूं
20. देवम् प्राडो घोष, खुशीदपुर
21. राजेंद्र नामा, ब्यावर
22. चिरंजीवी, टोंक
23. त्रिलोक जी अग्रवाल, किशनगढ़
24. प्रियंका, जयपुर
25. गौरा देवी नागा, कोटा
26. प्रेम सिंह, आगरा
27. रचना गुर्जर, टोंक
28. रमेश चंद मंत्री, ग्राम धसुक
29. विष्णु गुर्जर, भरतपुर
30. अजय गुर्जर, टोंक
31. राजेश कुमार योगी, जयपुर
32. मोहन लाल गुप्ता, सुकेत
33. महेश पाटोदी, बूंदी
34. दिलराज सैनी, दौसा
35. गोरीशंकर जाखड़, सीकर
36. पप्पू नायक, जयपुर
37. पारची आसवानी, ब्यावर
38. गोपीराम, पटियाल कोटपूतली
39. शांति बाई ओझा, बारां
40. इंद्र कंवर, जयपुर
41. नंद किशोर लखाटिया, बूंदी
42. रमेश चन्द्र बोराणा, उदयपुर
43. श्रीमती लक्ष्मी देवी, जोधपुर
44. सचिन, मथुरा
45. सतीश बैरवा, अलवर
46. ईश्वर, जयपुर
47. ममता देवी, चूरू
48. दिव्य मोहमानी, जयपुर
49. पुरूषोत्तम आहूजा, झालावाड़
50. लखवीर कुमार मघावल, ब्यावर
51. राजू रैगर, जयपुर
52. कृष्णपाल सिंह, फ़तेहपुर सीकरी
53. तेजकरण शर्मा, कोटा
54. सुनीता कुमारी, सदर बाजार सरवर
55. मथुरा सिंह, अलवर
56. सत्य प्रकाश, हाथरस (उ.प्र.)
57. श्रीमती कैलाशवती अग्रवाल, अजमेर
58. त्रिलोकी देवी, जयपुर
59. योगेश कुमार, एत्मादपुरा (उप्र)
60. सूरज प्रकाश, अलवर
61. केदार बेरवा निठारी मचा खेड़ा अलवर
62. मोहनी देवी, जयपुर
63. जसवन्तसिंह तंवर, अजमेर
64. पवन कुमार, जयपुर
65. सुरेश कुमार योगी, जयपुर
66. सत्यनारायण मित्तल, कोटा
67. श्रीमती तिलक देवी छाजड़, ब्यावर
68. कन्हैया लाल रैगर, टोंक
69. विक्रम सिंह, श्री गंगानगर,
70. भूपेन्द्र कुमार नेपाली, अजमेर
71. जयबाई, करौली
72. प्रहलादराम, बीकानेर
73. रमेश कुमार, फलोदी
74. कुसुम प्रजापत, सरदारशहर(चूरू)
75. मूलाराम, जोधपुर
76. नितिन, भरतपुर
77. सुरेंद्र कुमार जैन, कोटा
78. सुशीला देवी संचेती, उदयपुर
79. नामी चंद ढोटवाल, ब्यावर
80. संदीप वर्मा, आगरा
81. गोरा देवी, डीडवाना
82. रवि देतवाल, अजमेर
83. शांति देवी मेहता, जोधपुर
84. वीरेंद्र प्रकाश जैन, कोटा
85. मनोरमा देवी पाटनी, अजमेर
86. ब्रह्मजीत, हिंडौन
87. राजेश सैनी, सीकर
88. ओम प्रकाश सैन, जयपुर
89. फूसाराम, सीकर
90. मनीष गुप्ता, दौसा
91. शकुंतला देवी, बूंदी
92. शंभू सिंह राठौड़, जयपुर
93. पवन कुमार जांगिड़, जयपुर
94. कविता पेशवानी, गुलाबपुरा
95. श्रीमती कुसुम पंवार, जोधपुर
96. महेश, सीकर
97. फूल सिंह, भरतपुर
98. जगदीश, झुंझुनूं
99. मुकेश कुमार बैरवा, निवाई, टोंक
100. योगेन्द्र सिंह,धौलपुर
101. तेज राम, करौली
102. नानी बाई, करौली
103. राजेश्वरी गुप्ता, कोटा
104. अमित शर्मा, डीडवाना
105. चांद सिंह, कोटपूतली, बहरोड
106. जोरमल खान, अलवर
107. नरपत चंद सिंघवी, पाली
108. हरिओम मीना, सवाई माधोपुर
109. विमलेश, करौली
110. विष्णु, भरतपुर
111. श्रीमती कमला मंगल, अजमेर
112. श्रीमती किरण गोपलानी, अजमेर
113. कविता मीना, जयपुर
114. श्रवण कुमार, सीकर
115. कृष्ण सिंह, जोधपुर
116. जसवंत सिंह, सीकर
117. राम विहारी, मथुरा
118. जगदीशचन्द्र बोथरा, पाली
119. श्रीमती उत्तरा देवी शर्मा, कोटा
120. श्री विजय ओसवाल, महाराष्ट्र
121. प्रीतम दास गंगतानी, भीलवाड़ा
122. भगवानदास गुवालानी, अजमेर
123. कमलेश कंचवाल, झुंझुनूं
124. मोनिका, झुंझुनूं
125. सूरज जाटव, अजमेर
126. नाती बाई मीना, झालावाड़
127. हीराचन्द बगरेचा, जोधपुर

वित्तीय दान दाताओं की सूची (जनवरी से मार्च, 2025)

1. राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड, उदयपुर	3000000
2. राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड, जयपुर	600000
3. डायनेमिक कैबल्स लिमिटेड, जयपुर	100000
4. श्री सुरेश चंद्र मूणोत	100000
5. कांकरिया फाउंडेशन, जयपुर	50000
6. श्रीमती शोभा शर्मा	50000
7. रमेश एग्रो सर्विस सेंटर, ब्यावर	21000
8. राम प्रसाद भोमराजका ट्रस्ट, जयपुर	21000
9. डॉ. माया टंडन	20000
10. श्री सतीश चंद मेहता	20000
11. नर्सरी पार्क योग परिवार	20000
12. सुश्री कमल पानगड़िया	11000
13. श्री मुरली मनोहर जोशी	10000
14. श्री मनोज पारवानी	10000
15. श्री मोहन जैन	10000
16. लेफ्टिनेंट कर्नल चंद्र प्रकाश वर्मा	10000
17. श्री आर. एस ताम्बी	10000
18. कमल डवलपर्स प्रा. लिमिटेड	7000
19. श्री पंकज जैन	5100
20. श्रीमती उषा कपूर	5000
21. जस्टिस नागेंद्र कुमार जैन फाउंडेशन	5000
22. श्री सी के शर्मा	5000
23. मै. सतवंत रेडी	5000
24. श्री आई.सी. श्रीवास्तव	5000
25. श्री श्याम सुन्दर बिस्सा	4000
26. प्रबंधन विकास अकादमी	3100
27. श्रीमती मृदुला दुग्गड़	3000
कुल	4095200

दान में प्राप्त कॉर्निया माह जनवरी से मार्च 2025

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
जनवरी 2025	280	164	58 प्रतिशत
फरवरी 2025	235	122	52 प्रतिशत
मार्च 2025	255	143	56 प्रतिशत
कुल संख्या	770	429	55.71 प्रतिशत

सम्पादक : उषा बापना, सह–सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिस्डकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

We are looking forward to generous contributions from Organisation, Individuals for this Noble Cause. Bank Particulars for Donations through RTGS/NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India
A/c No. : 38700274930
Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code : SBIN0006912.
Donation by Cheque/Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004

फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

For Eye Donation Call Toll Free No. - 18002020388

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR • BHARATPUR • CHURU

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित

सम्पादक : उषा बापना, सह–सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)